प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में प्रजनक उत्पादित बीज विधायन संयंत्र की स्थापना

पंतनगर। 16 जनवरी 2021। विश्वविद्यालय के नारमन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र पर कृषकों एवं विभिन्न बीज संस्थानों की आपूर्ति को दृष्टिगत रखते हुए नये बीज विधायन संयंत्र की स्थापना विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप द्वारा आज उद्घाटन कर किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति, डा. तेज प्रताप के साथ-साथ निदेशक शोध, डा. ए.एस. नैन; कृषि अधिष्ठाता, डा. शिवेन्द्र कश्यप; निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. ए.के. शर्मा; पूर्व निदेशक, डा. एस.एन. तिवारी तथा निदेशक संचार, डा. एस.के. बंसल; परियोजनाधिकारी एवं अन्य केन्द्रों के संयुक्त निदेशकों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

कुलपति, डा. प्रताप ने इस संयंत्र की स्थापना पर उपस्थित सभी कर्मचारियों, अधिकारियों एवं संबंधित वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए बताया कि कृषकों के मध्य शुद्ध एवं उच्च गुणवत्तायुक्त बीज की मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय में बीज विधायन संयत्र की स्थापना की गई है, जिससे मांग के अनुसार बीजों की आपूर्ति की जा सके तथा अधिक से अधिक कृषक इससे लाभान्वित हो सके।

निदेशक शोध, डा. नैन ने बताया कि यह केन्द्र विश्वविद्यालय शोध हेतु प्रमुख केन्द्र है जहां प्रजातियों के विकास एवं तकनीक का उद्भव किया जाता है तथा विभिन्न फसल प्रजातियों का स्वतः केन्द्र द्वारा प्रजनक बीज उत्पादित कर आपूर्ति की जाती है जिसकी मांग उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा एवं नेपाल तक की जाती रही है।

अधिष्ठाता कृषि, डा. शिवेन्द्र कश्यप, ने कहा कि आज की आवश्यकता है कि उच्च गुणुवत्ता के बीज कृषकों तक पहुंचाया जाए जो इस केन्द्र के द्वारा विश्वविद्यालय स्थापना से ही सम्पन्न किया जाता रहा है। केन्द्र के सहायक निदेशक, डा. आर.पी. मौर्या ने बताया कि यह संयंत्र 10 कुंतल प्रति घंटे की दर से बीज को संशोधित करने की क्षमता रखता है। यही नहीं इस संयंत्र से हम प्रजनक बीज संसाधित कर प्रति वर्ष केन्द्र को अनुमानतः 1 करोड़ रूपये का लाभ भी अर्जित होता है, जिससे हम विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वन करने में सफल होते है। केन्द्र के संयुक्त निदेशक, डा. वी.पी. सिंह ने बताया कि वर्तमान में अनुसंधान केन्द्र पर बीजों का उत्पादन संसाधित एवं टिकाऊ खेती के रूप में कर रहे है, जिससे कम व्यय के साथ अधिक लाभ एवं पर्यावरण को संरक्षित करने में भी सफलता मिलती है।

कार्यक्रम के अंत में डा. आर.पी. मौर्या ने केन्द्र प्रभारी श्री समीर एवं अन्य कर्मचारियों, श्रमिकों तथा आए हुए सभी का धन्यवाद किया।

बीज विधायन संयंत्र का उद्घाटन करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।

बीज विधायन संयंत्र पर वृक्षारोपण करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।